

आज अपनी संगत में

आज अपनी संगत में बाबा का होना लाजमी है,
ये दीवानो की महफ़िल है दीदार का होना लाजमी है,
आज अपनी संगत में बाबा का होना लाजमी है,

ज़माने के हर एक इंसान पे नजरे यमाता हु,
ना जाने कौन से इंसान में दीदार हो जाये,
कर्म इतना तो मुझ पर है साईं सरकार हो जाये,
निगाहे ढूँढ़ती रह जाये और दीदार हो जाये,
हम साईं साईं बोले गे दीदार का होना लाज मी है,
आज अपनी संगत में बाबा का होना लाजमी है,

मेरी तकदीर में लिखा था मैंने तुझको पाया है,
खुदा भी है मेरा और पीर का भी मुझपे साया है,
खुशा किस्मत के उमीदे कर्म इस दर पे लाया है,
तुम्हारी याद ने मुझको मेरे रब से मिलाया,
हम साईं साईं बोले गे दीदार का होना लाजमी है,
आज अपनी संगत में बाबा का होना लाजमी है,

हज़ारो ख्वाइशे ऐसी के हर ख्वाइश पे दम निकले,
उदर से तू नजर आये इधर से और हम निकले,
तुम्हारे दर पे हमसर भी भिखारी बन के आया है,
सभी ने मुझको तुकराया मेरे साईं ने निभाया है,

ये दीवानो की महफ़िल है दीदार का होना लाजमी है,
आज अपनी संगत में बाबा का होना लाजमी है,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5976/title/aaj-apni-sangat-me-baba-ka-hona-laajmi-hai->

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |